प्रारुप–31

परियोजना का नाम :– मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा सं0–76/2017 विकास खण्ड–हिन्डोलाखाल में मिनी स्टेडियम (चन्द्रबदनी खेल मैदान) के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

केवल जल विद्युत परियोजनाओं के लिये

मदवार विवरण

लागू नही है।

जिला युवा कल्याण एवं
प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी
टिहरी गढ़वाल

Scanned by CamScanner

प्रारुप–32

परियोजना का नाम :– मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा सं0–76/2017 विकास खण्ड–हिन्डोलाखाल में मिनी स्टेडियम (चन्द्रबदनी खेल मैदान) के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

हस्तान्तरण हेतु प्रस्तावित भूमि का ले आउट प्लान/मदवार विवरण
(केवल भवन निर्माण/जल विद्युत परियोजनाओं के लिये लागू)

लागू नही है।

जिला युवा कल्याण एवं
प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी
टिहरी गढ़वाल

Scanned by CamScanner

प्रारुप–33

परियोजना का नाम :– मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा सं0–76/2017 विकास खण्ड–हिन्डोलाखाल में मिनी स्टेडियम (चन्द्रबदनी खेल मैदान) के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

भू–वैज्ञानिक की आख्या

संलग्न है।

जिला युवा कल्याण एवं
प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी,
टिहरी गढ़वाल

Scanned by CamScanner

प्रारुप–34

परियोजना का नाम :– मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा सं0–76/2017 विकास खण्ड–हिन्डोलाखाल में मिनी स्टेडियम (चन्द्रबदनी खेल मैदान) के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

भू–वैज्ञानिक की संस्तुतियों/सुझावों का अनुपालन किये जाने का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि विषयगत परियोजना के निर्माण हेतु भू–वैज्ञानिक/जिला टॉस्क फोर्स द्वारा दिये गये सुझावों/संस्तुतियों/शर्तों का निर्माण कार्य के दौरान निर्माण एजेन्सी द्वारा पूरी तरह अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

जिला युवा कल्याण एवं
क्षेत्रीय रक्षक दल अधिकारी
टिहरी गढ़वाल

भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड,
कार्यालय भूवैज्ञानिक, जिला टॉस्क फोर्स, टिहरी गढ़वाल।

Office Contact: 01376-232257

संख्या : 129 /जि0टॉ0फो0–टि0ग0/विविध/2017–18 दिनांक:29 दिसम्बर, 2017

सेवा में,

जिलाधिकारी,
टिहरी गढ़वाल।

विषय : माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा के सम्बन्ध में ग्राम झल्ड (ओखरियाली तोक), तहसील देवप्रयाग (हिंडोलाखाल) में 'मिनिस्टेडियम' के निर्माण टोही *(reconnaissance)* भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

महोदय,

उपरोक्त सम्बन्धित प्रकरण पर कार्यालय जिलाधिकारी, जनपद टिहरी गढ़वाल के पत्र संख्या 166/XI-(2012–13) दिनांक नई टिहरी नवम्बर 14, 2017 एवं जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी, टिहरी गढ़वाल के पत्र सं 681/प्रा0 र0द0–गा0गु0मं0घो0/2017–18 दिनांक 6 दिसम्बर 2017 के क्रम में जनपद टिहरी गढ़वाल, तहसील देवप्रयाग एवं ग्राम झल्ड (ओखरियाली तोक) में स्टेडियम के निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल की टोही *(reconnaissance)* भूगर्भीय निरीक्षण स्थल की स्थिति स्पष्ट होने के उपरान्त दिनांक 13.12.2017 को श्री खेमराज बहुगुणा, राजस्व उपनिरीक्षक, चन्द्रबदनी क्षेत्र, की उपस्थिति एवं सहयोग से सम्पन्न किया गया, जिसकी निरीक्षण आख्या निम्नवत है:–

आख्या संख्या: 34/जि0टा0फो0–टि0(विविध)/2017–18

1. प्रश्नगत स्थल जनपद मुख्यालय नई टिहरी से टिहरी–श्रीनगर मोटर मार्ग पर टिहरी से टिपरी लगभग 30 किमी0 एवं टिपरी–हिन्डोलाखाल–देवप्रयाग मोटर मार्ग पर टिपरी से जामणीखाल लगभग 33 किमी0 एवं जामणीखाल से चन्द्रबदनी मन्दिर मोटर मार्ग पर लगभग 04 किमी0 दूरी से मोटर मार्ग के डॉउनस्लोप/पूरब दिशा में ढालयुक्त भूभाग पर स्थित हैं।
2. प्रश्नगत स्थल चन्द्रबदनी वीट, आरक्षित वन भूमि के अन्तर्गत स्थित है, पहाडी के इस भाग में उर्ध्वाधर 100 मी0 एवं क्षैतिज 95 मी0 भूभाग को निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया है।
3. प्रश्नगत स्थल की भौगोलिक स्थिति लगभग *30°16'58.19"N 78°36'27.25"E* तथा *msl (mean sea level)* से 1750m कन्टूर लेविल पर है।
4. स्थल के डॉउनस्लोप/पूरब दिशा में चन्द्रबदनी मोटर मार्ग एवं अपस्लोप/पश्चिम में हैलीपैड हेतु प्रस्तावित स्थल तथा अपस्लोप में मोटर मार्ग एवं ढालयुक्त भूभाग पर बांज प्रजाति के मध्यम से सघन्न घनत्व वृक्षो का वन क्षेत्र विद्यमान हैं। स्थल के दक्षिणपूरब दिशा की ओर मोटर मार्ग के डॉउनस्लोप में स्थानीय ग्रामवासियों की कृषि भूमि एवं *sporadic* आवासीय निर्माण कार्य दृष्टिगोचर होते हैं।

Scanned by CamScanner

5. प्रस्तावित स्थल के उत्तरवर्ती भाग की ओर दो बरसाती नाले विद्यमान है, जो कि वर्षाकाल के दौरान लगभग पश्चिम–पूरब दिशा की ओर प्रवाहित होते है। वर्तमान में नालों में जल प्रवाह दृष्टिगोचर नहीं होता है। स्थल के अपरलोप/पश्चिम दिशा में मोटर मार्ग पर दो स्थलों पर कल्वर्ट बने हुए है, जिनसे वर्षाकाल के दौरान डॉउनरलोप भूभाग की ओर जल प्रवाह होता है।

6. स्थल की भू–स्थलाकृति विभिन्न ब्रैकिन स्लोपयुक्त एवं असमतल प्रकृति की दृष्टिगोचर होती है।

7. भूगर्भीय दृष्टिकोण से यह भूभाग लेसर हिमालय पर्वत श्रंखला के अन्तर्गत पड़ता है। क्षेत्रान्तर्गत विद्यमान चट्टानें जोनसार समूह की चॉन्दपुर फॉरमेशन के अन्तर्गत वर्गीकृत है। मुख्य रूप से महीन से मध्यम कणों वाली, कमजोर से मध्यम कठोर प्रकृति की फिलाइट चट्टानों के आउटक्रॉप चयनित स्थल के अपरलोप/पश्चिम दिशा में स्थित मोटर मार्ग के अन्दूरूनी भाग एवं स्थल के उत्तर दिशा की ओर रिज/धार युक्त भाग की भूसतह पर स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होती हैं।

8. इन चट्टानों में फोलिएशन की दिशा 235° व नतिमान 25°–30° लगभग उत्तरपश्चिम दिशा की ओर अवलोकित किया गया है।

9. स्थल की ऊपरी सतह एवं अपहिल/उत्तर में ढालयुक्त भूभाग पर मुख्यतया भूरे, मटमैले व हल्के लाल रंग की महीन कणों युक्त मृदा एवं डेवरीज मैटिरियल का संगठित आवरण आंका गया। मृदा एवं डेवरी मटेरियल के साथ फिलाइट चट्टानों के विभिन्न आयाम के, छोटे से वृहत आकार के रॉक फ्रैगमेन्ट्स छितराई एवं धंसी हुई अवस्था *(Scattered & Embedded Form)* में ढलान में दृष्टिगोचरित होते हैं।

10. प्रश्नगत भूखण्ड में सामान्य ढलान की प्रवणता लगभग 30°–35° के मध्य पूरब दिशा की ओर दृष्टिगोचरित होती है।

11. उक्त स्थल सीढीनुमा सोपानों के रूप में दृष्टिगोचर होता है, जहॉ वन विभाग द्वारा बांज प्रजाति के छोटे वृक्षों का रोपण किया गया हैं तथा कतिपय बड़े वृक्ष ही विद्यमान हैं। स्थल के उत्तर, अपहिल/पश्चिम एवं डाउनहिल/पूरब दिशा में ढालयुक्त भूभाग पर मध्यम से सघन्न बांज एवं चीड प्रजाति के वृक्ष विद्यमान हैं, जिनमें किसी प्रकार का असामान्य झुकाव दृष्टिगोचर नहीं होता हैं।

12. वर्तमान में प्रस्तावित स्थल की भूसतह पर किसी प्रकार का भूस्खलन, दरारे एवं भूधंसाव दृष्टिगोचर नहीं होता हैं। स्थल के अन्तर्गत किसी प्रकार के प्राकृतिक जल स्त्रोत दृष्टिगोचर नहीं होते है परन्तु अपहिल में बॉज वृक्षों के सघनता के दृष्टिगत स्थल की भूसतह पर नमी अवलोकित की गयी है, एवं निर्माणोपरान्त आर्दता की सतता स्थल पर बने रहने की सम्भावना है। भूखण्ड पर जल युक्त स्थलों पर उगने वाले वृक्ष एवं पौधे भी दृष्टिगोचर होते है।

सुझाव एवं शर्तें:–

1. पर्वतीय क्षेत्र में भूकम्पीय जोन–IV में निर्माण कार्य हेतु संस्तुत सिविल इंजीनियरिंग मानकों एवं समय–समय पर सरकार द्वारा जारी अद्यतन तकनीकी दिशा निर्देशों के अनुक्रम में अनुपालन कराना जाना आवश्यक होगा।

Scanned by CamScanner

2. प्रश्नगत स्थल के अपहिल में बीज वृक्षाच्छादित सीमाओं पर सुरक्षित बफर जोन छोड़कर ही स्टेडियम निर्माण कार्य किया जाना आवश्यक होगा। इस कार्य में विस्तृत भू-तकनीकी अन्वेषण द्वारा से निर्धारण आवश्यक होगा।

3. नियन्त्रित जल प्रवाह तन्त्र *(controlled drainage system)* विकसित कराया जाना 'स्टेडियम' परिसर के स्थायीत्व हेतु नितान्त अपरिहार्य होगा व अपहिल में अन्तर्स्रावी जल एवं आर्द्रता के दुष्प्रभावों से निर्माण कार्य को सुरक्षित किये जाने के उपाय सम्मिलित किये जाने नितान्त अपरिहार्य है।

4. स्थल उत्तरवर्ती भूभाग की ओर स्थित बरसाती नालों को अपस्ट्रीम से डॉऊनस्ट्रीम तक पूर्णरूप से चैनेलाईज एवं तटबन्धित किया जाना सुरक्षित होगा एवं अपहिल में स्थित मोटर मार्ग के अन्दरूनी भाग की ओर नाली को पक्का एवं सुरक्षित जल प्रवाह हेतु सुनिश्चत किया जाना अति आवश्यक है।

5. स्थल के अन्तर्गत सम्पूर्ण अपर कैचमेन्ट के जल की पूर्णरूप से सुरक्षित निकासी हेतु स्लोप ब्रेक पर मजबूत एवं पर्याप्त आयाम वाली रैखीक नाली का निर्माण कर दूर किसी सुरक्षित स्थल पर निस्तारित किये जाने की कार्ययोजना भूतकनीकी अन्वेषण में आवश्यक होगी।

6. स्थल पर ढालयुक्त भागों की ओर कटाव के उपरान्त मजबूत पर्याप्त वीपहोल्स युक्त रिटेनिंगवाल/ब्रेसटवॉल का निर्माण किया जाय, जिनका नींव स्वस्थानें चट्टानों *(In-situ rocks)* या चट्टाने न मिलने पर अद्योभूमि गहराई में अभियांत्रिक संरचना के भारग्रहण क्षमता निर्धारण के अनुकुल रखा जाना आवश्यक होगा।

7. निर्माणोपरान्त आर्द्रता की सतता स्थल पर बने रहने की सम्भावना के दृष्टिगत समुचित अभियांत्रिकीय उपायों का समायोजन निर्माण कार्य के उपरान्त मोनेटरिंग व्यवस्था स्थापित कर अवतलन पर भरान एवं *compaction* कार्य समय–समय पर कराया जाना नितान्त आवश्यक होगा।

<u>निष्कर्षः–</u>

प्रथमदृष्टया, वर्तमान में, प्रश्नगत स्थल पर उक्त टोही *(reconnaissance)* भूगर्भीय निरीक्षण के समय क्षेत्र की वृहद भूस्थलाकृतिक संरचना में ट्रेवर्सिंग के दौरान कोई अति विपरीत भूगर्भीय संरचनाऐं अवलोकित नही होती हैं।

अतः 'मिनिस्टेडियम' के निर्माण कार्य किये जाने हेतु उपरोक्त सुझाव एवं शर्तों के अनुपालन में, भूगर्भीय दृष्टिकोण से उपयुक्त समझा जा सकता है, अन्यथा की दशा में यह भूगर्भीय अनापत्ति स्वतः ही निरस्त समझी जायेगी।

20/12/17

(डॉ0 दीपेन्द्र सिंह चन्द)
उप निदेशक/भूवैज्ञानिक
Mob: 8192802331
Email id: ugddn-dgm-uk@nic.in

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ/आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून।
2. जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी, टिहरी गढ़वाल।

Scanned by CamScanner